पाठ 26

फ़ौजी वहीदा

एन.सी.ई.आर.टी. पाठ्यपुस्तक (पृष्ठ संख्या 208, 209)

प्रश्न 1. क्या तुम किसी को जानते हो जो सेना में हैं?
उत्तर: हाँ, मेरे एक चाचा सेना में काम करते हैं।

प्रश्न 2. वे कौन-सी सेना में हैं-नौसेना, थल सेना या वायु सेना?
उत्तर: वे वायु सेना में काम करते हैं।

प्रश्न 3. वे क्या काम करते हैं?
उत्तर: वे पायलट हैं।

प्रश्न 4. क्या तुम सेना में जाना चाहते हो?
उत्तर: हाँ, मैं भी सेना में जाना चाहता हूँ।

प्रश्न 5. कौन-सी सेना में जाना चाहते हो-थल सेना, वायु सेना या नौसेना?
उत्तर: मैं वायु सेना में जाना चाहता हूँ।

प्रश्न 6. सेना की तरह कौन-कौन सी नौकरियों में लोग वर्दी पहनते हैं?
उत्तर: पुलिस की नौकरी में लोग सेना की तरह ही वर्दी पहनते हैं।

प्रश्न 7. वहीदा नौसेना में डॉक्टर का काम करती हैं। नौसेना के तुम कोई और पाँच काम बताओ।
उत्तर: कप्तान, इंजीनियर, पायलट, नर्स, रसोइया।

प्रश्न 8. क्या तुमने कोई परेड देखी है? अपने स्कूल में परेड करो और 36 बार निर्देश देकर देखो। जैसे"परेड, दाएँ देखेगी, दाएँ देख", "परेड हिलो मत", "खुली लाइन चल", "निकट लाइन चल' । क्या तुम इसमें परेड के कुछ और निर्देश जोड़ सकते हो?
उत्तर: सावधान, विश्राम, दाएँ मुड़, तेज चल, बाएँ मुड़ तेज चल, कंधे शस्त्र, परेड थम।

प्रश्न 9. एक डॉक्टर से बातचीत करो। उनके काम के बारे में पता लगाओ।
उत्तर: एक डॉक्टर बीमार व्यक्ति को देखता है। उसकी जाँच करने के बाद बीमारी का पता लगाता है। उसके बाद बीमारी ठीक होने के लिए दवाईयाँ देता है।

प्रश्न 10. क्या तुम ऐसी किसी महिला को जानते हो, जिन्होंने अनोखा काम किया है? उनके साथ ऐसी बातचीत करो जैसी कि हमने वहीदा के साथ की है। सोचो, क्या प्रश्न पूछोगे। उनसे पता करो कि उन्होंने उस काम को क्यों चुना और उन्हें कैसी-कैसी मुश्किलें आईं।
उत्तर: मैं कई महिलाओं के बारे में जानता हूँ, जिन्होंने अनोखा काम किया है। उदाहरण के लिए, किरण बेदी को लीजिए। वह पहली महिला थीं जो भारतीय पुलिस सेवा (आई.पी.एस.) में भर्ती हुई थीं। उस समय के लिए यह बहुत बड़ी बात थी क्योंकि तब महिलाओं को पढ़ने भी नहीं दिया जाता था।
उनसे पूछे गये कुछ प्रश्न तथा उनके उत्तर निम्नलिखित हैं
मैं भारतीय पुलिस सेवा ज्वाइन करके आपको कैसा लगा?
किरण बेदी : मुझे लगा जैसे मैं सातवें आसमान पर पहुँच गई हूँ।,
मैं : आपने पुलिस अधिकारी ही क्यों बनना चाहा?
किरण बेदी : मैं दुनिया को यह दिखाना चाहती थी कि महिलायें भी किसी से कम नहीं हैं।
मैं : आपको अपने सेवा काल में कोई परेशानी तो नहीं हुई?
किरण बेदी : हाँ, शुरुआत में मुझे काफी परेशानी हुई। मेरे वरिष्ठ अधिकारी मुझे आसान काम सौंपते थे, क्योंकि मैं महिला हूँ। कई पुरुष सहयोगी मुझसे जलते भी थे।
मैं : इतने लंबे समय तक देश की सेवा करने के बाद आपको कैसा लगता है?
किरण बेदी : मैं काफी संतुष्ट हूँ। मुझे अपने देश पर गर्व है।